JAI NARAYAN VIDYA MANDIR INTER COLLEGE

Co-ed English Medium School (Affiliated to CBSC)

75 - A, Vikas Nagar, Kanpur - 208024
Ph. No.: 0512-2583130
E-mail: jainarayanschool@rediffmail.com
Website: www.jnvmic.in

PROSPECTUS 2026-27

A school is a sacred space where a child, tender and malleable like clay, is shaped with care and wisdom by the teacher—just as a potter moulds clay into a beautiful vessel. Saint Kabir Das beautifully captures this essence:

गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़े खोट ।

अंतर हाथ सहार दै, बाहर मारे चोट।।

In this spirit, our school, Jai Narayan Vidya Mandir Inter College, remains steadfast in its mission to nurture the holistic growth of its students. We are committed to fostering their spiritual strength, moral character, and professional skills, paving the way for a future that is bright, meaningful, and prosperous.At our school, we strive to empower students so that, wherever life leads them, they remain resilient, hopeful, and upright, never overwhelmed or misguided by challenges. Through sincere guidance, we cultivate virtues such as patience, courage, perseverance, and integrity, shaping individuals who can face the world with confidence and grace.Our aspiration is that every student of our institution may be admired for their humility, gentleness, and courtesy, and may achieve their goals with dignity, excellence, and purpose.

Vineet Chandra
President

Knowledge and the development of life is multidimensional processe. While concentration and mental strength hold an important place in the acquisition of knowledge, curiosity, experience, study, and discernment are equally essential. Mere concentration, without curiosity or proper guidance, cannot lead to true knowledge. Life itself is a biological process, whereas physical, mental, and moral strength make it active, meaningful, and effective. In contrast, excessive weakness affects the quality of life, not its existence.In the process of learning and spiritual growth, teachers and mentors provide direction, but true knowledge and inner development are attained by individuals through their own experiences, practice, and self-reflection.In this context, education plays a significant role in the intellectual, moral, and social development of human beings; however, the complete formation of a person does not occur through education alone. Environment, values, and self-effort together shape an individual's overall personality. In our school, we remain continuously engaged in the process of holistic personality development of students by promoting a clean environment, strong moral values, and the spirit of self-effort.

Prof. Sunil Mishra
Manager

Abandoning meaningless worries and making proper use of the present time is the very foundation of a bright future. The true significance of life is revealed only when a person correctly identifies his priorities and does not merely accumulate knowledge, but also translates it into conduct and action.These sacred words of Shri Param Pujya Shri कार्ष्णि पीठाधीश्वर, Gurusharanand Ji Maharaj, convey a divine message to fill human life with discipline, peace, and joy. His teachings inspire us to understand that knowledge which becomes fruitful only when it serves as a guiding force in life.Inspired by these lofty ideals, Jai Narayan Vidya Mandir Inter College, imparts to its students the art of utilizing time effectively, understanding the right priorities of life, and the practical application of acquired knowledge. The objective of the institution is not limited to academic excellence alone, but to nurture holistic development, shaping students into ethical, principled, determined, humble, patriotic, and God-fearing citizens.Students educated at this institution go on to set milestones in their lives and remain dedicated to the service of society and the nation.

Vijay Ajmani
Treasurer

विद्यालय एक पवित्र स्थान है जहाँ एक बालक, जो मिट्टी की तरह नाजुक और आकार लेने योग्य है, को शिक्षक की देखभाल और ज्ञान से संवारा जाता है - जिस प्रकार एक कुम्हार मिट्टी को सुंदर पात्र में ढालता है। संत कबीर दास इस सच्चाई को इस प्रकार व्यक्त करते हैं:

गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़े खोट ।

अंतर हाथ सहार दै, बाहर मारे चोट ।।

इसी भावना के साथ, हमारा विद्यालय, जय नारायण विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, अपने छात्रों के समग्र विकास के लिए दृढ़ निश्चयी है। हम उनके आध्यात्मिक बल, नैतिक चरित्र और व्यावसायिक कौशल को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे उनका भविष्य उज्ज्वल, सार्थक और समृद्ध हो। विद्यालय में हम छात्रों को सशक्त बनाने का प्रयास करते हैं जिससे जीवन जहाँ भी उन्हें ले जाए, वे लचीलापन, आशा और ईमानदारी के साथ जीवन जी सकें और कभी भी चुनौतियों से भ्रमित या पराजित न हों। सच्ची मार्गदर्शना के माध्यम से हम उनमें धैर्य, साहस, दृढ़ता और ईमानदारी जैसे गुणों का विकास करते हैं, जिससे वे आत्मविश्वास और गरिमा के साथ संसार का सामना कर सकें। हमारी आकांक्षा है कि विद्यालय के छात्र अपनी विनम्रता, कोमलता व शिष्टता के लिए सम्मानित हों और अपने लक्ष्यों को गरिमा, उत्कृष्टता और उद्देश्य के साथ प्राप्त करें।

विनीत चन्द्रा
अध्यक्ष

ज्ञान और जीवन-विकास एक बहुआयामी प्रक्रिया है। ज्ञान प्राप्ति में एकाग्रता और मानसिक शक्ति का महत्वपूर्ण स्थान है, किंतु इनके साथ जिज्ञासा, अनुभव, अध्ययन और विवेक भी अनिवार्य है। केवल एकाग्रता बिना जिज्ञासा या उचित मार्गदर्शन के वास्तविक ज्ञान नहीं दे सकती।

जीवन स्वयं एक जैविक प्रक्रिया है, जबकि शारीरिक, मानसिक और नैतिक शक्ति उसे सक्रिय, सार्थक और प्रभावी बनाती है। इसके विपरीत अत्यधिक कमजोरी जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करती है, न कि उसके अस्तित्व को। सीखने और आध्यात्मिक विकास की प्रक्रिया में शिक्षक और मार्गदर्शक दिशा प्रदान करते हैं, परंतु वास्तविक ज्ञान और आंतरिक विकास व्यक्ति को स्वयं के अनुभव, अभ्यास और आत्मचिंतन से प्राप्त होता है।

इसी क्रम में शिक्षा मनुष्य के बौद्धिक, नैतिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, परंतु मानव का पूर्ण निर्माण केवल शिक्षा से नहीं होता। वातावरण, संस्कार और आत्म-प्रयास मिलकर ही व्यक्ति के समग्र व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। हम अपने विद्यालय में विद्यार्थियों को स्वच्छ वातावरण सत् संस्कार एवं आत्म प्रयास की प्रेरणा देते हुए उनके समग्र व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया में सतत संलग्न रहते हैं।

प्रो0 सुनील मिश्र
प्रबन्धक

निरर्थक चिन्ताओं का परित्याग कर वर्तमान समय का सदुपयोग ही उज्ज्वल भविष्य का आधार है। जीवन की सार्थकता तभी प्रकट होती है जब मनुष्य अपनी प्राथमिकताओं को सही रूप में पहचानकर ज्ञान को केवल संचित न करे, अपितु उसे अपने आचरण और कर्मों में उतारे।

श्री कार्ष्णि पीठाधीश्वर परम पूज्य श्री गुरुशरणानन्द जी महाराज के ये वचनामृत मानव जीवन को संयम, शान्ति और आनन्द से परिपूर्ण करने का दिव्य संदेश देते हैं। ये उपदेश हमें सिखाते हैं कि ज्ञान तभी फलदायी होता है जब वह जीवन का मार्गदर्शक बने।

इन्हीं उच्च आदर्शों से प्रेरित जय नारायण विद्या मंदिर इंटर कह्लेज अपने विद्यार्थियों को समय के सदुपयोग की कला, जीवन की सही प्राथमिकताओं की समझ तथा अर्जित ज्ञान के व्यवहारिक क्रियान्वयन की शिक्षा देता है । विद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षिक उन्नति नहीं, बल्कि सर्वांगीण विकास के माध्यम से विद्यार्थियों को नैतिक, चरित्रवान, संकल्पशील, विनम्र, राष्ट्रभक्त एवं ईश्वरभक्त नागरिक के रूप में गढ़ना है।

विद्यालय से दीक्षित छात्र अपने जीवन में कीर्तिमान स्थापित करते हुए समाज और राष्ट्र की सेवा में समर्पित रहते हैं।

विजय अजमानी
कोषाध्यक्ष

FROM THE PRINCIPAL'S DESK

Dear Parents,

"There is nothing in this world as consecrated as knowledge." By siphoning this divine teaching of Shrimad Bhagavad Gita, we make our students aware of the significance of divinity, practicality, and applicability of knowledge in life. We orient them towards virtues, good conduct, and etiquette. We strive to enlighten them with the divine radiance of knowledge. We make a sincere effort to adorn our students with Indian culture and sacraments, and to help them become ideal citizens.

It is expected from all our dear parents and guardians that they extend their wholehearted cooperation in this educational upliftment. Today, every student is roaming despotically in this distorted social environment. In such circumstances, they become confused about their duties and as the saying says," A person becomes bound by his own actions, influenced by his own nature." He too becomes trapped in the consequences of his behavior. As a result, he drifts freely and becomes directionless, moving towards decline. In such a situation, before he becomes engulfed in inner conflict and worldly distractions, and before he loses himself in the darkness of depression, it becomes essential for parents and teachers to shower affection and guidance upon their boys and girls.

There is no endearment equal to a mother. There is no refuge equal to a mother. There is no conservancy equal to a mother. There is no vitalizer equal to a mother.

Therefore, we must work together in coordination and move forward progressively for the all-round development of boys and girls for their bright future.

Thank you

Anil Kumar Tripathi
Principal

प्रधानाचार्य की कलम से

सम्मानित अभिभावक बन्धु/भगिनी!

नहि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते।।

अर्थात ज्ञान के समान इस लोक में कुछ भी पवित्र नहीं है।

श्रीमद्भगवद्गीता के इस दिव्य उपदेश को हृदयंगम कर हम अपने विद्यार्थियों को ज्ञान की महत्ता, दिव्यता एवं जीवन में उपयोगिता से अवगत कराते हुए उन्हें सद्गुण, सदाचार एवं सत्प्रवृत्ति की ओर उन्मुख करते हुए ज्ञान के दिव्य आलोक से पवित्र करने का प्रयास करते हैं। हम अपने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और संस्कारों से विभूषित कर एक आदर्श नागरिक बनाने का सफल प्रयास करते हैं।

आप सभी अभिभावक बन्धु/बहनों से यह अपेक्षा है कि हमारे इस दिव्य कार्य में पूर्ण मनोयोग से अपना सहयोग करें। आज प्रत्येक विद्यार्थी एक विकृत बाह्य समाज में उन्मुक्त विचरण कर रहा है। ऐसी परिस्थिति में वह किंकर्त्तव्यविमूढ हो जाता है और "**स्वभावजेन कौन्तेय निबद्धः स्वेन कर्मणा** अर्थात मनुष्य अपने स्वभाव के वशीभूत होकर किये गए अपने ही कर्म में बँध जाता है" के अनुसार वह स्वच्छन्द एवं दिग्भ्रमित होकर पतनोन्मुखी हो जाता है। ऐसी स्थिति में अन्तर्द्वन्द्व की गह्वरता में निमज्जित होने एवं अवसाद के अन्धकार में खोने से पूर्व बालक-बालिकाओं को माता-पिता एवं शिक्षकों के स्नेहयुक्त सन्निरीक्षण के आवरण की परम आवश्यकता है। किसी सुभाषितकार ने कहा है-

नास्ति मातृसमा छाया नास्ति मातृसमा गतिः। नास्ति मातृसमं त्राणं नास्ति मातृसमा प्रपा।।

अर्थात माता के समान कोई छाया नहीं, कोई आश्रय नहीं, कोई सुरक्षा नहीं। माता के समान इस विश्व में कोई जीवनदाता नहीं।

अतः आपको और हमें संयुक्त रूप से मिलकर ही बालक-बालिकाओं के सर्वांगीण विकास एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिये प्रयत्नशील होना चाहिये।

सधन्यवाद!

अनिल कुमार त्रिपाठी
प्रधानाचार्य

OUR INSTITUTION

With the aim of fostering cultural knowledge, character development, and overall growth of students through excellent education and values, the esteemed Dr. Ishwar Chandra Gupta and his brothers, in the spirit of their father, established the Jai Narayan Charitable Trust. Through this trust, in 1994, a plot of 7,601 square meters in Lakhanpur was acquired from the Kanpur Development Authority. On 18th November 1996 the foundation stone and Bhoomi Poojan (groundbreaking ceremony) of the school were performed by the Rashtriya Swayam Sangh Pracharak Honourable Madhav Rao Ji Devle, the sanrakshak of Uttar Pradesh Vidya Bharati, along with the propagators and devoted workers of the organization.

Two years after the foundation stone ceremony, on December 4, 1998, the new building was inaugurated by the esteemed Professor Rajendra Singh (Rajju Bhaiya), the respected former head of the Rashtriya Swayamsewak Sangh.

हमारी संस्था

संस्कृति ज्ञान एवं चरित्र के विकास पर आधारित संस्कारक्षम उत्तम शिक्षा व बालक के सर्वांगीण विकास का लक्ष्य लेकर कीर्तिशेष डॉ० ईश्वरचन्द्र गुप्त एवं उनके अनुजों ने अपने पूज्य पिताजी की स्मृति में "जय नारायण चैरीटेबल ट्रस्ट" के माध्यम से सन् 1994 में कानपुर विकास प्राधिकरण से लखनपुर में 7601 वर्गमीटर भूखण्ड क्रय कर, इस भूमि पर 18 नवम्बर 1996 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक व उत्तर प्रदेश विद्या भरती के संरक्षक मा० माधव राव जी देवळे के कर-कमलों द्वारा विद्यालय का भूमि पूजन व शिलान्यास किया गया।

भूमि पूजन के 2 वर्ष पश्चात् 4 दिसम्बर 1998 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन प० पू० सरसंघ चालक प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) के कर-कमलों द्वारा नवीन भवन का लोकार्पण हुआ।

SCHOOL PREMISES

The grand school building, constructed on a vast 7,601 square meter plot provided by the Jai Narayan Charitable Trust, houses 40 class rooms, 5 administrative rooms, 5 laboratories, 2 lecture halls, a smart class, Atal Tinkering lab, 2 Computer Rooms, math lab, art gallery, library and reading room, 2 large prayer halls, the Maruti Hall, the Ma Sharda Hall, 2 halls for meetings and small gathering, the Shrimati Usha Chandra Hall, the Swami Vivekanand Hall, a playground, a basketball court, three badminton courts, an indoor game zone dedicated to the late Dr. Ishwarchand Gupta, an indoor sports zone, and lush green trees and plants. The school grounds are further beautified with colorful flowering gardens. To ensure ease of movement across all floors, a lift facility has also been provided.

विद्यालय परिसर

"जय नारायण चैरीटेबल ट्रस्ट" द्वारा प्रदत्त 7601 वर्ग मीटर विशाल भूखण्ड में निर्मित भव्य विद्यालय भवन जिसमें 40 कक्षा कक्ष, 5 प्रशासनिक कक्ष, 5 प्रयोगशालाएँ, 2 व्याख्यान कक्ष (SMART CLASS), 1 अटल टिंकरिंग लैब, 2 संगणक कक्ष, मैथ लैब, कला वीथिका, पुस्तकालय एवं वाचनालय, 2 विशाल प्रार्थना सभागार, (मारुति सभागार, माँ शारदा सभागार), 2 सभा कक्ष (श्रीमती ऊषा चन्द्रा सभाकक्ष, स्वामी विवेकानन्द सभाकक्ष), खेल मैदान, (बास्केट बॉल कोर्ट, 3 बैडमिण्टन कोर्ट, इण्डोर गेम के लिये स्व० डॉ० ईश्वरचन्द्र गुप्त इण्डोर स्पोर्ट्स जोन) तथा हरे-भरे पेड़-पौधों व रंगीन पुष्पों से सुसज्जित उद्यान विद्यालय परिसर के सैन्दर्य की वृद्धि करता है।

सभी तलों पर सुगमता पूर्वक अवागमन के लिये लिफ्ट की व्यवस्था की गयी है।

SCHOOL CURRICULUM

In our school, which is operated under CBSE, the curriculum for classes 6-12 follows the standards set by CBSE, and only the textbooks and curriculum published by NCERT are considered valid. For the overall development of students, additional creative and co-curricular activities are also conducted. Any changes made by CBSE are implemented accordingly.

AFFILIATION

In July 1998, the school received recognition as a high school from the Board of Secondary Education, Uttar Pradesh. In 2002 recognition up to Intermediate was granted by the Secondary Education Council of Uttar Pradesh. From 1998 to 31st March 2019, it continued to establish its reputation in the state under the affiliation of the Secondary Education Council, Uttar Pradesh. In 2018, the school was switched over to the Central Board of Secondary Education (CBSE Board) for classes 6-12. At present, it is a school operated by CBSE.

मान्यता

जुलाई 1998 में विद्यालय को माध्यमिक शिक्षा परिषद् उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद द्वारा हाईस्कूल के रूप में मान्यता प्राप्त हुई थी। 2002 से माध्यमिक शिक्षा परिषद् उत्तर प्रदेश द्वारा ही इण्टरमीडियेट तक की मान्यता हुई। 1998 से 31 मार्च 2019 तक विद्यालय माध्यमिक शिक्षा परिषद् उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित प्रदेश में अपना कीर्तिमान स्थापित कर "ए" ग्रेड का विद्यालय रहा। वर्ष 2018 में विद्यालय को कक्षा 6 से 12 तक केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् (CBSE BOARD) में SWITCH OVER कराया गया। वर्तमान 2019 से यह CBSE द्वारा संचालित विद्यालय है।

पाठ्यक्रम

CBSE द्वारा संचालित हमारे विद्यालय में कक्षा 6 से 12 तक मानक के अनुसार NCERT द्वारा प्रकाशित पाठ्य-पुस्तकें एवं पाठ्यक्रम ही मान्य है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के क्रम में पाठ्येतर रचनात्मक गतिविधियाँ भी संचालित की जाती हैं। CBSE द्वारा यदि कोई परिवर्तन होता है तो उसे क्रियान्वित किया जाता है।

OUR AIM

Our aim is to develop a national education system through which a generation of youth is created that is devoted to Hindutva and filled with patriotism, and is fully developed physically, energetically, mentally, intellectually, and spiritually. One who can successfully face the present challenges of life, and whose life, while residing in towns, villages, forests, hilly, coastal, and other challenging regions, uplifts the deprived and underprivileged among their community by eliminating social evils, cultivating a well-cultured, harmonious, and ethical life, and, inspired by the spirit of 'Vasudhaiva Kutumbakam' (the world is one family), dedicates themselves to the welfare of the world.

हमारा लक्ष्य

हमारा लक्ष्य इस प्रकार की राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करना है, जिसके द्वारा हिन्दुत्त्व निष्ठ एवं राट्रभक्ति से ओत-प्रोत तथा शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित युवा पीढ़ी का निर्माण हो, जो जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलता पूर्वक कर सके और जिसका जीवन नगरों, ग्रामों, वनों, गिरिकन्दराओं एवं चुनौती पूर्ण क्षेत्रों में निवास करने वाले वंचित और अभावग्रस्त अपने बाँधवों को सामाजिक कुरीतियों एवं अन्याय से मुक्त कराकर रष्ट्र जीवन को सुसंस्कृत, समरस तथा सुसम्पन्न बनाते हुए **वसुधैव कुटुम्बकम्** के भाव से प्रेरित होकर विश्व कल्याण के लिये समर्पित हो।

PERSONALITY DEVELOPMENT

1. Debates and quizzes in Hindi and English on contemporary topics.
2. Mental and physical development through meditation and yoga practice.
.4. Interaction and discussion with eminent educationists of society.
5. Development of individual and collective talents.

CULTURAL CENTER AND SOCIAL ACTIVITIES

Even today, there is a section of society that, due to the lack of resources, is unable to achieve educational and social advancement and is still compelled to live a life of poverty. Charity is given by the wealthy, and nature provides us with everything, and we too should learn to give something. In order to realize this objective, through the Cultural Center, the school provides children from such families with quality education, clothing, books, and other necessities. The school operates three such Cultural Centers.

1- Jai Narayan Sanskar Kendra, Medhanpurwa, District Unnao
2- Dr. Ishwar Chandra Gupta Sanskar Kendra, Sarauha, District Unnao
3- Madhav Rao Devle Sanskar Kendra, Vikas Nagar, Kanpur

संस्कार केन्द्र - सामाजिक गतिविधियाँ

आज भी समाज का एक वर्ग ऐसा है जो साधनों की अनुपलब्धता के कारण अपनी शैक्षिक एवं सामाजिक उन्नति करने में असमर्थ है और आज भी दीन-हीन जीवन जीने के लिये विवश है। "दरिद्रं दीयते दानम् एवं प्रकृति हमें देती है सब कृछ हम भी तो कुछ देना सीखें" इन उक्ति द्वय को चरितार्थ करते हुए संस्कार केन्द्र के माध्यम से विद्यालय ऐसे परिवारों के बालकों को उत्तम शिक्षा, वेश एवं पुस्तकें आदि प्रदान करता है। विद्यालय ऐसे 3 संस्कार केन्द्र संचालित करता हैं-

1- जय नारायण संस्कार केन्द्र, मेघनपुरवा, जिला उन्नाव
2- डॉ० ईश्वरचन्द्र गुप्त संस्कार केन्द्र, सरौहाँ, जिला उन्नाव
3- माधव राव देवळे संस्कार केन्द्र, विकास नगर, कानपुर

व्यक्तित्त्व विकास

- समसामयिक विषयों पर हिन्दी-इंग्लिश में वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं क्विज।
- ध्यान एवं योगाभ्यास
- समाज के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों के साथ संवाद एवं विचार-विमर्श।
- प्रतिष्ठित एवं विशेषज्ञों द्वारा परामर्श एवं मार्ग दर्शन।

COMPUTER EDUCATION

Computer education has brought a new revolution in the field of information and technology. Keeping this in mind, the school has further expanded its computer laboratory facilities. The school has two computer laboratories, which together are equipped with 150 multimedia computers, featuring the Windows operating system and color monitors.

To protect computer education from electrical interruptions, facilities such as UPS and a generator are available. A scanner, camera, inkjet printer, dot matrix printer, and internet facilities are also available.

COMPUTER ROOM

कम्प्यूटर शिक्षा

सूचना एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कम्प्यूटर की उपस्थिति ने एक नई क्रान्ति ला दी है। इसी को ध्यान में रखते हुए विद्यालय ने कम्प्यूटर प्रयोगशाला को अधिक विस्तार दिया है। विद्यालय में दो कम्प्यूटर प्रयोगशालाएँ हैं जिनमें 150 मल्टीमीडिया कम्प्यूटरों में विण्डोज ऑपरेटिंग सिस्टम और रँगीन मॉनीटर हैं। इलैक्ट्रिक अवरोध से बचने के लिये यू० पी० एस० और जैनरेटर की सुविधा उपलब्ध है। स्कैनर, कैमरा, इंकजैट प्रिण्टर, सादा प्रिण्टर और इण्टरनेट सुविधा उपलब्ध है।

SMART CLASS

Smart classes create a transformative and modern learning environment by integrating traditional education with digital technology. They are beneficial for both students and teachers. The school has two smart classrooms, where students understand their subjects more easily and effectively through interactive and practical learning methods.

स्मार्ट क्लास

स्मार्ट क्लास पारम्परिक शिक्षा को डिजिटल तकनीक के साथ जोड़कर एक परिवर्तनकारी और आधुनिकता से जोड़ने का वातावरण बनाती है। यह विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों के लिये लाभदायक है। विद्यालय में दो स्मार्टक्लास हैं जिनमें विद्यार्थी अपने विषय को क्रियात्मक रूप से सरलतापूर्वक बोधगम्य बनाते हैं।

ATAL TINKERING LAB

Under the Atal Innovation Mission, a scheme of NITI Aayog, Government of India, an Atal Tinkering Lab has been established in the school. Here, the students of the school are giving shape to the Government of India's Startup India initiative through various innovations, experiments, and modern explorations.

अटल टिंकरिंग लैब

भारत सरकार की नीति आयोग की योजना अटल इनोवेशन मिशन के अन्तर्गत विद्यालय में अटल टिंकरिंग लैब की स्थापना की गयी है। यहाँ विद्यालय के विद्यार्थी विभिन्न नवाचार, नवप्रयोगों एवं आधुनिक अन्वेषणों के माध्यम से भारत सरकार की स्टार्ट अप इण्डिया को साकार रूप दे रहे हैं।

SCIENCE LABORATORIES

The School has well equipped laboratories for Physics, Chemistry, Biology and Composite Science with modern instruments. Here students receive skilled training under the guidance of their teachers.

विज्ञान प्रयोगशालाएँ

विद्यालय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान एवं कम्पोज़िट साइंस की आधुनिक उपकरणों से युक्त प्रयोगशालाएँ हैं, जिनमें विद्यार्थी अपने सुयोग्य शिक्षकों के कुशल निर्देशन में प्रशिक्षण लेते हैं।

SMART CLASS

ATAL TINKERING LAB

PHYSICS LAB

CHEMISTRY LAB

BIOLOGY LAB

COMPOSITE LAB

NATIONAL CADET CORPS (NCC)

In order to ensure the all-round development of students, the NCC aims to develop discipline, leadership, and a spirit of selfless service among them, to make them responsible citizens to encourage them to contribute to nation-building to motivate them to pursue careers in the armed forces, and to participate in acts of bravery and social activities. For this purpose, training of the National Cadet Corps (NCC-JD) is conducted in the school.

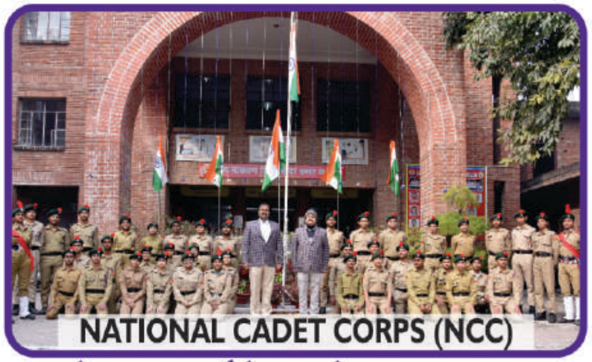

NATIONAL CADET CORPS (NCC)

नेशनल कैडेट कोर (NCC)

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के क्रम में उनमें अनुशासन, नेतृत्त्व और निस्वार्थ सेवा की भावना विकसित करने , जिम्मेदार नागरिक बनाने, राष्ट्र निर्माण में योगदान करने, सशस्त्र बलों में कैरियर बनाने एवं सामाजिक साहसिक गतिविधियों में सम्मिलित होने आदि की प्रेरणा देने के लिये विद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC-JD) के प्रशिक्षण की समुचित व्यवस्था है।

READING ROOM

MUSIC AND SPIRITUAL EDUCATION

Music and spiritual education hold a profound significance in human life. It is not merely a source of entertainment but also a form of spiritual practice. Music serves as a powerful medium for emotional balance, stress relief, enhancing concentration, developing creativity, and fostering cultural connection. It provides humanity with both joy and a sense of spirituality. Keeping in mind the importance of music, the school has an excellent arrangement for music education. Periodically, outstanding cultural programs are also organized.

MUSIC ROOM

संगीत एवं आध्यात्मिक शिक्षा

संगीत का मानव जीवन में बहुत गहरा महत्त्व है। यह मनोरंजन मात्र नहीं है अपितु एक साधना है। यह भावनात्मक संतुलन, तनाव मुक्ति, एकाग्रता बढ़ाने, रचनात्मकता विकसित करने एवं सांस्कृतिक जुड़ाव का शक्तिशाली माध्यम है। यह मानव मात्र को आमोद-प्रमोद के साथ आध्यात्मिकता प्रदान करता है। संगीत की इस महत्ता पर ध्यानाकृष्ट करते हुए विद्यालय में संगीत शिक्षा की उत्त्म व्यवस्था है। समय-समय पर उत्कृष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं।

READING ROOM

Along with the library, the school has a reading room, where approximately one hundred students can do self-study at the same time. Here, students get the opportunity to read daily newspapers, weekly magazines and journals, as well as books related to practical and general studies for self-learning.

SCHOOL LIBRARY

Swadhyaya (self-study) is a form of penance; it has been described as the penance of speech. Giving this principle a concrete form, the school has established a library. To provide academic resources, there are trained and qualified library teachers, who, through books, acquaint students with various modern fields of knowledge.

The library houses books on philosophy, Hindi-English literature and anguages, reference works, critical texts, novels, short stories, drama, Mathematics, Physics, Chemistry, Biology, history, Geography, General Knowledge, Commerce, and Economics etc., there are almost 8000 books in the library. Through library periods, students are encouraged to engage in self-study.

पुस्तकालय

"स्वाध्यायं तपः" स्वाध्याय को वाणी का तप कहा गया है। इसी को साकार रूप देते हुए विद्यालय में एक पुस्तकालय है, जिसमें पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराने हेतु प्रशिक्षित एवं सुयोग्य पुस्तकालय शिक्षक है, जो पुस्तकों के माध्यम से छात्र-छात्राओं को विभिन्न आधुनिक जानकारियों से अवगत कराते हैं।

पुस्तकालय में संघ दर्शन, हिन्दी-इंग्लिश साहित्य एवं भाषा, सन्दर्भ ग्रन्थ, आलोचना ग्रन्थ, उपन्यास, कहानी, नाटक, गणित, विज्ञान (भौतिक, रसायन, जीव विज्ञान), इतिहास, भूगोल, सामान्य ज्ञान, वाणिज्य, अर्थशास्त्र, व्यसायिक अध्ययन इत्यादि विषयों से सम्बन्धित लगभग 8000 पुस्तकें हैं। सभी विद्यार्थियों को सप्ताह में पुस्तकालय वेला के माध्यम से स्वाध्याय के लिये प्रेरित किया जाता है।

वाचनालय

पुस्तकालय के साथ विद्यालय में एक वाचनालय की व्यवस्था है जहाँ लगभग 100 विद्यार्थी एक साथ स्वाध्याय कर सकते हैं। यहाँ विद्यार्थियों को दैनिक समाचार पत्र, साप्ताहिक पत्र-पत्रिकाएँ, प्रतियोगितात्मक एवं सामान्य अध्ययन से सम्बन्धित पुस्तकों का स्वाध्याय करने का सुअवसर प्राप्त होता है।

PHYSICAL EDUCATION

Physical education is a means of cultivating discipline, for the body is the primary instrument for achieving all accomplishments. Therefore, it is extremely essential for the body to be strong, healthy, and active. With this objective, the school provides facilities such as a TT hall, badminton court, basketball court, and a well-equipped modern gymnasium fitted with a sixteen-station multi-gym machine, where sixteen students can perform sixteen exercises simultaneously. Facilities like a swimming pool, kabaddi, kho-kho, and various indoor games are also available. Through these activities, the school remains continuously committed to keeping the bodies and minds of its students healthy and strong. Under the skilled guidance of experienced physical education instructors, the students of the school are establishing records and achieving distinction in various sports at the city, state and national levels.

शारीरिक शिक्षा

''शरीरमाद्यं खलु धर्म साधनम्'' शरीर ही समस्त उपलब्धियों का प्रथम साधन है। अतः शरीर का सुदृढ़, स्वस्थ एवं क्रियाशील होना अत्यन्त आवश्यक है। अस्तु टी०टी० हॉल, बैडमिण्टन कोर्ट, बॉस्केटबॉल कोर्ट, आधुनिक उपकरणों से युक्त व्यायाम शाला जिसमें 16 स्टेशन की मल्टी जिम मशीन लगी है जिसमें 16 विद्यार्थी एक साथ 16 एक्सरसाइज कर सकते हैं, तरण-ताल (स्वीमिंग पूल), कबड्डी, खो-खो एवं इण्डोरगेम आदि के माध्यम से विद्यालय विद्यार्थियों के तन-मन को स्वस्थ एवं सुदृढ़ बनाने की प्रक्रिया में सतत तत्पर रहता है, जहाँ विद्यालय के छात्र अपने सुयोग्य शारीरिक आचार्यों के कुशल निर्देशन में नगर, प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर विविध खेलों में कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं।

GYMNASIUM

BASKETBALL COURT

BADMINTON COURT

SWIMMING POOL

Vehicle Facilities

In accordance with the safety rules of the Transport Department, the school has arranged vehicles equipped with GPS and CCTV cameras for the commuting of students.

वाहन सुविधा

परिवहन विभाग की सुरक्षा नियमों के अनुकूल विद्यालय में छात्र-छात्राओं के आवागमन हेतु GPS व CCTV कैमरों से युक्त वाहनों की व्यवस्था की गयी है।

CHESS

TABLE TENNIS

School Uniform

For The Boys:-

(I) **For the Summer season:** a full-sleeve white shirt, full grey pants in JCT - 91 shade, black leather shoes with laces, plain grey socks, school belt, and monogram according to the house on the ID card.

(ii) **For the Winter Season:** In addition to the above mentioned uniform, a navy blue half sweater and a navy blue blazer with the school monogram.

(iii) **On Thursdays:** a white polo shirt with the monogram according to the house, house-designated T-shirt, white P.T. shoes, and plain white socks.

Important- According to the specific class, during activity time: It will be mandatory to wear the house-designated T-shirt with the monogram, along with white shorts, white P.T. shoes, and plain white lower.

For The Girls:-

(I) **For the Summer season:** A full sleeved, collared kurta in JCT-91 shade, white salwar, cotton white dupatta with house-designated monogram, ID card, black leather shoes, plain grey socks.

(ii) **For the winter season:** In addition to the above-mentioned uniform, a navy blue half sweater and a navy blue blazer with the school monogram.

(iii) **On Thursdays:** a full-sleeve, collared white kurta, white salwar, cotton dupatta in the house color with the house-designated monogram, ID card, white P.T. shoes, and plain white socks. In winter, the full winter uniform is worn in addition to this.

Important- According to the specific class, during activity time: It will be mandatory to wear the house-designated T-shirt with the monogram, along with white shorts, white P.T. shoes, and plain white lower.

विद्यालय वेश

छात्रों के लिये:-

(i) **ग्रीष्म कालीन-** पूरी आस्तीन की श्वेत कमीज, फुल ग्रे पैंट (JCT-91का शेड), चमड़े के फीते वाले काले जूते, ग्रे मोजे (बिना किसी धारी वाले), विद्यालय बैल्ट, आई- कार्ड तथा हाउस के अनुसार मोनोग्राम।

(ii) **शीत कालीन-** उपर्युक्त वेश के अतरिक्त सादी बुनाई का नीले रंग का आधा (हाफ) स्वेटर तथा नेवी ब्लू रंग का विद्यालय मोनोग्राम लगा हुआ ब्लेजर।

(iii) **गुरुवार-** श्वेत लोवर, हाउस के अनुसार मोनोग्राम लगी हुई एवं हाउस के अनुसार निर्धारित टी-शर्ट, श्वेत पी. टी. शूज़, श्वेत मोजे (बिना किसी धारी वाले)। शीतकाल में निर्धारित टी-शर्ट के स्थान पर पूरी आस्तीन की श्वेत कमीज पहनना है। शेष पूर्ण शीतकालीन वेश।

विशेष- कक्षा के अनुसार एक्टिविटी वेला में हाउस के अनुसार मोनोग्राम लगी हाउस के अनुसार निर्धारित टी-शर्ट, एवं श्वेत लोवर, श्वेत पी. टी. शूज, श्वेत मोजे (बिना किसी धारी वाले) पहनना अनिवार्य होगा।

छात्राओं के लिये:-

(I) **ग्रीष्म कालीन-** ग्रे कलर (JCT-91का शेड) का फुल आस्तीन एवं कॉलर वाला कुर्ता, श्वेत सलवार, हाउस के अनुसार मोनोग्राम लगा हुआ श्वेत सूती दुपट्टा, आई-कार्ड, चमड़े के काले जूते, ग्रे मोजे (बिना किसी धारी वाले)।

(ii) **शीत कालीन-** उपर्युक्त वेश के अतिरिक्त सादी बुनाई का नीले रंग का आधा (हाफ) स्वेटर तथा नेवी ब्लू रंग का विद्यालय मानोग्राम लगा हुआ ब्लेजर।

(iii) **गुरुवार-** फुल आस्तीन एवं कॉलर वाला श्वेत कुर्ता, श्वेत सलवार, हाउस के अनुसार मोनोग्राम लगा हुआ एवं हाउस के रंग का सूती दुपट्टा, आई-कार्ड, श्वेत पी. टी. शूज, श्वेत मोजे (बिना किसी धारी वाले) शीतकाल में इसके अतिरिक्त पूर्ण शीतकालीन वेश।

विशेष- कक्षा के अनुसार एक्टिविटी वेला में हाउस के अनुसार मोनोग्राम लगी हाउस के अनुसार निर्धारित टी-शर्ट, एवं श्वेत लोअर, श्वेत पी. टी. शूज, श्वेत मोजे (बिना किसी धारी वाले) पहनना अनिवार्य होगा।

PROMINENT ASPECT

- Co-ed English medium school affiliated to CBSE
- Enriched with Indian culture
- Fully secured campus under CCTV surveillance
- Atal tinkering lab
- Well-equipped labs
- Facilities of Art and Sport
- Learning through acclaimed methodologies
- Career counselling by prominent experts
- Fire safety precaution
- NCC-JD
- Friendly Environment
- Effective pedagogy and learning
- Qualified and motivated teachers with perfect blend of knowledge quality, culture and patience
- Annual free medical checkup and infirmary
- Teachers workshop to upgrade the teaching style
- RO water filtration plant for drinking water
- Focus on holistic development of a student

Course of Study

Class VI to VIII

English, Hindi, Mathematics, Science, Social Studies, Sanskrit, Computer Studies.

Class IX to X

English, Hindi / Sanskrit, Mathematics, Science, Social Science, Computer Application (165), Painting / Music / Information Technology

Class XI to XII

(Science with Mathematics)

Physics, Chemistry, Mathematics, English (Core), Hindi, Physical Education / Computer Science / Music / Painting

(Science with Biology)

Physics, Chemistry, Biology, English (Core), Hindi /Physical Education / Computer Science / Music / Painting

(Commerce)

Accountancy, Business Studies, Economics, English Core, Hindi / Physical Education / Computer Science / Music / Painting.

(Humanities)

English (core), Geography, History, Psychology, Economics, Hindi / Physical Education / Computer Science / Music / Painting.

Admission Related Information

Registration Form

- Registration starts from 1st Jan 2026.
- Registration form will be available in the school office at the cost of 500/-
- Timings from 9:00 A.M. to 3:00 PM.

Admission Procedure

The following documents need to be submitted along with the registration form.

(i) Copy of the Birth Certificate (self-attested).

(ii) Copy of Report Card of previous year

(iii) Three latest Passport size photos of the child.

(iv) Copy of Adhar Card.

The parent needs to fill up the registration form and ensure all documents are in order. Kindly intimate the school in case your ward requires some special assistance due to any health issue.

Eligibility Criterion

Class	VI	VII	VIII	IX
Entry Age	11+	12+	13+	14+

List of the documents required at Time of admission -

- Original T.C. From the previous school.
- If T.C. is not available, kindly fill undertaking form.
- Selected candidates will be required to make the fee payment within the three days of the declaration of the result, that will be non-refundable.
- Your ward will be allotted the grade, section, House uniform, School Badge, Belt, Dairy and Identity Card on the day of admission. Book list will also be given.
- The Time table for your ward will be handed over to your ward by the class teacher.

Written Assessment will be conducted on the following subjects: -

Class 6 : English, Hindi, Maths, Science

Class 7 : English, Hindi, Maths, Science

Class 8 : English, Hindi, Maths, Science

Class 9 : English, Maths, Science

Class 11 : Science Stream

PCM : English, Maths, Physics, Chemistry

PCB : English, Biology, Physics, Chemistry

Class 11 :Commerce Stream: English, General Maths, General Awareness

Class 11 :Humanities Stream:English, History, Geography, General Awareness

Note:

- The List of the selected candidates will be displayed on the school Notice Board. This can also be viewed on the school website www.jnvmic.in
- The date of the result declaration will be informed at the time of test.
- Decision of the Admission committee will be final.
- There is no provision of disclosing marks obtained in Entrance Test.
- The selected candidates will have to be present with their parents at the time of admission.
- Admission to students shall be granted in class 11 on the the basis of written exam and board results of their previous class.

विद्यालय प्रबन्ध समिति 2026-27

• मा. विनीत चन्द्रा	अध्यक्ष
• डॉ जगन्नाथ गुप्त	उपाध्यक्ष
• प्रो. सुनील मिश्र	प्रबन्धक
• मा. विजय अजमानी	कोषाध्यक्ष
• मा. श्रीराम जी	संगठन प्रतिनिधि
• मा. भवानीभीख तिवारी	सदस्य (विद्या भारती)
• मा. प्रेमचन्द्र गुप्त	सदस्य
• डॉ. सरस्वती अग्रवाल	सदस्य
• श्रीमती जूही मांगलिक	सदस्य
• मा. बी. एम. अग्रवाल	सदस्य
• मा. अरुण कुमार	सदस्य
• श्रीमती पूजा बंसल	सदस्य
• मा. संजीव झुनझुनवाला	सदस्य
• मा. रौनक भाटिया	सदस्य
• श्री अनिल कुमार त्रिपाठी	पदेन सदस्य (प्रधानाचार्य)
• श्री गौरव प्रताप सिंह	शिक्षक प्रतिनिधि
• श्रीमती ऊषा पाण्डेय	शिक्षक प्रतिनिधि
• श्रीमती अंजली सोनवानी	अभिभावक प्रतिनिधि
• श्री आशीष कुमार शुक्ला	अभिभावक प्रतिनिधि

जय नारायण के पूर्व छात्र नासा में वरिष्ठ वैज्ञानिक

2015 में किया इंटरमीडिएट, आईआईटी में विशिष्ट पद पर कर चुके हैं काम

तीरंदाजी में अभिषेक ने जीता स्वर्ण

वायु प्रदूषण नियंत्रक

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां से किया मंत्रमुग्ध

स्पोर्ट्स जोन का उद्घाटन, बच्चों सीखेंगे चेस, योग, जिम्नास्टिक

बैडमिंटन में जय नारायण विद्या मंदिर दोनों वर्गों में चैम्पियन

दिव्यांगों की बाधा की दूर, ट्रैफिक मैनेजमेंट को बना रहे आसान

JAI NARAYAN VIDYA MANDIR INTER COLLEGE MEDIA HIGHLIGHTS

कबड्डी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे केशव और प्रताप हाउस

कबड्डी प्रतियोगिता के दौरान अंक हासिल करने का प्रयास करते खिलाड़ी।

कानपुर। जय नारायण विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में मंगलवार से शुरू हुए अंतर हाउस कबड्डी टूर्नामेंट के सीनियर वर्ग में केशव और प्रताप हाउस ने अपने-अपने मैच जीते। सेमीफाइनल मैच में केशव हाउस ने शिवा हाउस को 37-32 से हराया। वहीं प्रताप हाउस ने शानदार खेल दिखाते हुए माधव हाउस को 35-21 से पराजित किया। दोनों टीमों के बीच बुधवार को फाइनल मैच होगा।

वहीं जूनियर वर्ग के बीच सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। इससे पहले टूर्नामेंट का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक डॉ. सुनील मिश्र, प्रधानाचार्य अनिल कुमार त्रिपाठी और उप प्रधानाचार्य डॉ. नमिता गुप्ता ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। टूर्नामेंट के संयोजक

राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में अभिषेक कुशवाहा का चयन

बास्केटबॉल में जय नारायण की टीमों ने दो वर्गों में जीता खिताब

city sports

अखिल भारतीय टेबल टेनिस स्पर्धा में हिस्सा लेंगी शहर की सुविज्ञा

मार्च पास्ट कर योग पिरामिड की दी प्रस्तुति

...ग के लिए शहर के उत्कर्ष का चयन